BSES

मिंटो रोड धोबी घाट पर बीएसईएस का छापा, 12 किलोवॉट बिजली चोरी पकड़ी

"फाइव स्टार" धोबी पर 3. 83 लाख का जुर्माना, जेल भेजा गया

- मध्य दिल्ली के मिंटो रोड धोबी घाट पर बीएसईएस का छापा
- कई नामी ड्राइक्लीनर्स, होटल व रेस्त्रां आदि के कपड़े धुलने व प्रेस होने इस धोबी घाट पर आया करते हैं
- धोबी घाट पर हाल के दिनों में 15 छापे पड़े हैं, जिसमें 160 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई
- जुलाई 2002 से अब तक बीएसईएस ने बिजली चोरी के 85, 000 मामले पकड़े हैं और 5. 85 लाख किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी है

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 2008। मिंटो रोड धोबी घाट पर बीएसईएस एन्फोर्समेंट टीम ने छापा मारा, जिसमें खलील अहमद को 12 किलोवॉट बिजली की चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा गया। वह पास से गुजर रही बीएसईएस की तार पर कटिया डालकर बिजली का गैरकानूनी उपयोग कर रहा था। अब बिजली की स्पेशल कोर्ट ने उसे तिहाड़ जेल का रास्ता दिखा दिया है। खलील अहमद इस धोबी घाट का एक बड़ा धोबी था। गौरतलब है कि आसपास के कई नामी ड्राइक्लीनर्स, होटल और रेस्त्रां आदि के कपड़े धुलने व प्रेस होने के लिए, मिंटो रोड धोबी घाट पर आया करते हैं।

12 किलोवॉट बिजली की सीधी चोरी पकड़ने के बाद बीएसईएस ने खलील अहमद पर भारतीय बिजली कानून के प्रवधानों के तहत 3. 83 लाख रूपये का जुर्माना किया। लेकिन आरोपी ने जुर्माने की रकम का भुगतान नहीं किया। उसके बाद बीएसईएस इस मामले को बिजली की स्पेशल कोर्ट में ले गई।

दोनों पक्षों के तर्क को सुनने और बीएसईएस द्वारा पेश किए गए प्रमाणों के मद्देनजर, अदालत ने आरोपी की जमानत की याचिका को भी खारिज कर दिया और उसे न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया। हालांकि आरोपी की ओर से यह तर्क भी दिया गया कि आरोपी बिजली की चोरी नहीं कर रहा था और मीटर के मालिक को नियमित भुगतान कर रहा था, लेकिन अदालत ने इस दलील को नहीं माना और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जेल में कुछ दिन बिताने के बाद अब आरोपी ने कोर्ट के समक्ष फिर अर्जी दी। इस बार, जमानत तो मंजूर हो गई, लेकिन कोर्ट ने उसे आरोप मुक्त करने से इनकार कर दिया।

मिंटो रोड इलाके के लोगों के मुताबिक, नामी डाईक्लीनर्स, होटल और रेस्त्रां के कपड़े धुलने और प्रेस होने, मिंटो रोड धोबी घाट पर आया करते हैं। मध्य दिल्ली के कई प्रतिष्ठित व्यक्ति लाउंड्री का काम इसी धोबी घाट को देते हैं।

बीएसईएस अधिकारियों के मुताबिक, मिंटो रोड धोबी घाट में करीब 40 प्रतिशत बिजली की चोरी होती है। बिजली चोरी कर यहां बड़ी वॉशिंग और डाईक्लीनिंग मशीनें चलाई जाती हैं, जिसमें बड़े पैमाने पर बिजली की खपत होती है। इस धोबी घाट पर हाल के दिनों में 15 छापे पड़े हैं, जिनमें 160 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी गई है।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, जुलाई, 2002 से अब तक बीएसईएस की बिजली कंपनियों ने बिजली चोरी के 85 हजार से अधिक मामले पकड़े हैं, जिनमें 5.85 लाख किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304